भारतीय शिक्षण मंडल

ऋग्वेद, द्वितीय तल, ए-71 अमृत नगर
साउथ एक्सटेंशन पार्ट 1, नई दिल्ली- 110003
ईमेल: bsmvivibha2024@bsmbharat.org वेबसाइट: www.bsmbharat.org

अध्यक्ष: प्रो. सच्चिदानंद जोशी **महामंत्री: डॉ. भरतशरण सिंह**

दिनांक: 09/05/2024

प्रति,
प्रो० दिनेश चन्द्र शास्त्री जी
कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय

विषय: 'विजन फॉर विकसित भारत' विषयक शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता में सहभागी होने के संदर्भ में।

मान्यवर,

भारतीय शिक्षण मंडल सन् 1969 से शिक्षा में भारतीयता लाने हेतु अखिल भारतीय स्तर पर कार्यरत एक वैचारिक संगठन है। युवाओं की शारीरिक, बौद्धिक एवं मानसिक क्षमता के संवर्धन के साथ आत्मिक एवं आध्यात्मिक गुणों का विकास करते हुए राष्ट्र भाव से प्रेरित बौद्धिक योद्धाओं का निर्माण करना युवा आयाम का प्रमुख उद्देश्य है। भारत के युवाओं में राष्ट्रभाव का जागरण, शोध आधारित विमर्श, लेखन एवं विवेचन शक्ति निर्मित करते हुए बौद्धिक योद्धाओं के निर्माण में शिक्षण मंडल निरंतर कार्यरत है।

युवाओं में शोध प्रवृत्ति एवं क्षमता विकसित करने हेतु युवा आयाम इस वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर **'Vision for Vikshit Bharat'** विषय पर शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन भारतीय शिक्षण मंडल के स्थापना दिवस दिनांक 17 अप्रैल 2024 रामनवमी के दिन संपूर्ण देश में किया गया है। शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता के पश्चात, चयनित शोधार्थियों का **तीन दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन** का आयोजन **15 से 17 नवम्बर 2024** को एस. जी. टी. विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में किया जाना तय हुआ है। इस अमृतकाल में राष्ट्र निमार्ण के हर क्षेत्र में अपना अनमोल योगदान देने के लिए युवाओं को सक्षम बनाना एवं प्रेरित करना इस प्रतियोगिता और तीन दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। इस सम्मेलन में देशभर से 1000 से भी अधिक युवा शोधार्थी सहभागी होंगे।

इस शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा शक्ति को भारतीय अनुसंधान पद्धति के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करना है। सक्रिय, सकारात्मक, समर्पित, प्रतिभावान युवा राष्ट्र जीवन के हर क्षेत्र में गति प्रदान कर सकते हैं। इसलिए, ऐसे तेजस्वी और ओजस्वी युवाओं के सक्रिय योगदान से नीति, संरचना और कार्य संस्कृति का निर्माण करना देश के विकास के लिए अति आवश्यक है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि आपके कर कमलों द्वारा विश्वविद्यालय में प्रतियोगिता का उद्घाटन तथा पोस्टर का लोकार्पण हो। साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के अधिक से अधिक युवाओं तक इस प्रतियोगिता की जानकारी को पहुंचाने, पंजीकरण, एवं शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना सुनिश्चित कर युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाएं। इस राष्ट्रीय महत्व की प्रतियोगिता में आप सह-आयोजक बन इसे और भी सर्वग्राह्य बनाकर प्रसारित कर सकते हैं।

प्रतियोगिता में पंजीयन की अंतिम तिथि : 30 जून 2024

शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 31 जुलाई 2024

प्रतियोगिता से संबंधित समस्त जानकारी भारतीय शिक्षण मंडल के जालस्थल (website) https://bsmbharat.org/ पर उपलब्ध है।

डॉ० भरतशरण सिंह
महामंत्री
भारतीय शिक्षण मंडल

पत्राचार एवं जानकारी हेतु संपर्क सूत्र:

श्री अमित रावत, अ. भा. युवा आयाम प्रमुख : 9557921771

कार्यालय संपर्क: 8076619514, 9871711290

कार्यालय अणुडाक: bsmvivibha2024@bsmbharat.org

सहभागिता स्तर :

1. स्नातक विद्यार्थी (UG)
2. परास्नातक विद्यार्थी (PG)
3. शोधार्थी (Ph.D. Scholar)
4. अन्य (Open) 40 वर्ष से कम आयु वर्ग

प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आवश्यक नियम :

- **एकाकी प्रस्तुतीकरण :** एक प्रतिभागी केवल एक शोधपत्र जमा कर सकता है।
- **सह लेखक :** एक से अधिक शोधार्थी द्वारा लिखे गए शोधपत्रों की अनुमति नहीं होगी।
- **मौलिकता :** शोधपत्र लेखन का मूल विश्लेषण और स्वयं का कार्य होना चाहिए। पूर्व में प्रकाशित शोधपत्र स्वीकार नहीं होगा। समानता सूचकांक 20% से कम अपेक्षित है।

शोधपत्र प्रारूप हेतु निर्देश :

भाषा :
- शोधपत्र भारतीय भाषाओं में तथा एक विदेशी भाषा अंग्रेजी में आमंत्रित है।

शब्द सीमा :
- शोधपत्र की शब्द सीमा 3000 से 5000 हो।

प्रारूप :
- अंग्रेजी फॉन्ट 'Time New Roman' तथा भारतीय भाषाओं में केवल 'Unicode' फॉन्ट का प्रयोग करें। आकार (font size) 12 हो।
- मार्जिन चारों ओर से 1 इंच (2.5 से.मी.) हो।
- शोधपत्र Word File तथा PDF File में जमा करें।

आरेख और उद्धरण :
- आरेख और रेखाचित्र शैलीबद्ध किए जाने चाहिए अर्थात आलेख के प्रारूप (format) में विकसित कर उचित रूप में सम्मिलित करें। सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर (excel जैसे) से सीधे परिणामों को शोधपत्र में लगाना संतोषजनक नहीं है।
- स्रोतों तथा संदर्भों को व्यवस्थित और सटीक रूप से उद्धृत किया जाना चाहिए।

शीर्षक पृष्ठ और सार :
- शीर्षक पृष्ठ में लेखक का नाम, संस्थागत संबद्धता और अणुडाक लिखें।
- पेज फुटर में केवल पृष्ट क्रमांक ही हो।

पंजीयन :
- पंजीयन हेतु भारतीय शिक्षण मंडल की अधिकारिक जालस्थल www.bsmbharat.org पर जायें।

पुरस्कार :
- प्रांत स्तर पर विशेष पुरस्कार।
- प्रांत से चयनित शोधकर्ताओं को राष्ट्रीय स्तर पर एस.जी.टी. विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित होने वाले शोधकर्ता सम्मेलन (15 से 17 नवंबर 2024) में आमंत्रित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय स्तर पर चयनित शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित संस्थाओं में शोध करने का अवसर प्राप्त होगा।

शोधपत्र प्रकाशन के सभी सर्वाधिकार (Copyright) भारतीय शिक्षण मंडल के पास होंगे।

अधिक जानकारी भारतीय शिक्षण मंडल के अधिकृत जालस्थल www.bsmbharat.org पर देखें।

पंजीयन निःशुल्क

महत्वपूर्ण तिथियाँ

पंजीयन प्रारम्भ	: 17 अप्रैल 2024
पंजीयन की अंतिम तिथि	: 30 जून 2024
शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	: 31 जुलाई 2024

अ. भा. संयोजक
श्री अमित रावत

अ. भा. सह–संयोजक
डॉ. शिव सिंह बघेल   डॉ. जसपाल कौर

प्रदेश संयोजक

1. केरल, तमिलनाडु : डॉ. आनंद वेंकट 9282229545
2. कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना : डॉ. गिरीश तेग्गीनमठ 8892210595
3. महाराष्ट्र, गुजरात : डॉ. शिव सिंह बघेल 9425847778
4. मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ : डॉ. हरेश कुमार बांभणीया 9033344401
5. राजस्थान : डॉ. मुकेश शर्मा 9799130307
6. दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख : श्री नरेश तंवर 9891315171
7. पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड : डॉ. अनुज पाराशर 7599244053
8. पूर्वी उत्तर प्रदेश : श्री राजीव नयन 8178717118
9. बिहार, झारखण्ड : डॉ. अंबालिका आर्यन 9717433153
10. बंगाल, उडीसा : श्री प्रियोजित भट्टाचार्य 8240739368
11. असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश : डॉ. अखिलेश शर्मा 9413224221

/bsmbharat
@bsm_bharat
Koo-bsmbharat

कार्यालय पता

ऋग्वेद, द्वितीय तल, ए–71 अमृत नगर,
साउथ एक्सटेंशन पार्ट–1, नई दिल्ली–11003

ई–मेल : bsmvivibha2024@bsmbharat.org वेबसाइट : www.bsmbharat.org

भारतीय शिक्षण मंडल

युवा आयाम

द्वारा आयोजित

शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता

विजन फॉर विकसित भारत

विविभा : ध्येय

भारतीय ज्ञान संपदा के माध्यम से, विकसित भारत की दृष्टि से, अनुसंधान और प्रकाशन की गुणवत्ता में वृद्धि करने और भारत केंद्रित, सार्थक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु शोधकर्ताओं के लिए एक सहयोगी मंच स्थापित करना और अनुसंधान अनुभूति के लिए औद्योगिक एवं प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों को प्रेरित करना।

भारतीय शिक्षण मंडल :

भारतीय शिक्षण मंडल एक राष्ट्रीय, वैचारिक एवं शैक्षिक संगठन है। भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना विक्रम सम्वत् २०२६ (१६ अप्रैल १६६६) को रामनवमी के शुभ दिवस पर शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुनरुत्थान हेतु की गई थी। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक सम्पूर्ण शिक्षा को भारतीय मूल्यों पर आधारित, भारतीय संस्कृति की जड़ों से पोषित तथा भारत केंद्रित बनाने के लिए संगठन निरंतर कार्यरत है। समर्थ, समृद्ध और समरस भारत के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक है कि भारत की शिक्षा प्रणाली भारत के दार्शनिक, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक अनुभूति से उपजी हो। इस दृष्टि से भारतीय शिक्षण मंडल वैचारिक, शैक्षिक और व्यावहारिक गतिविधियों का विगत ५५ वर्षों से देश के विभिन्न प्रांतों के लगभग ५५० से अधिक जिलों में नियमित संधान कर रहा है। भारतीय शिक्षण मंडल के मुख्य रूप से ५ सोपान हैं : अनुसंधान, प्रबोधन, प्रशिक्षण, प्रकाशन एवं संगठन। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा जगत में वैचारिक अधिष्ठान को प्रस्थापित करने हेतु भारतीय शिक्षण मंडल सदैव तत्पर है।

युवा आयाम :

युवाओं को बलवान, मूल्यवान, विद्वान, संवेदनशील और राष्ट्रभक्त बनाते हुए बौद्धिक योद्धाओं का निर्माण करना युवा आयाम का उद्देश्य है।

शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता :

अनुसंधान देश के विकास का मूल आधार है। अनुसंधान से देश उन्नति की ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। प्रकृति के प्रति जिज्ञासा, प्रश्न उत्पन्न होना और उसके उत्तर खोजना हर युवा का स्वभाव होता है। इस स्वभाव को उदात्त उद्देश्य की ओर प्रोत्साहित करने से देश की प्रगति सुनिश्चित हो जाती है।

जब जीवन का उद्देश्य उदात्त हो और स्पष्ट हो तब उदात्त प्रश्न ही आविर्भूत होते हैं। उत्तर खोजने के लिए युक्तियों की आवश्यकता होती है और यदि पद्धति भारतीय मूल्यों पर आधारित और युगानुकूल हो तब राष्ट्र के उत्थान में युवा अपना योग्य योगदान दे पायेंगे।

अतः हमारा संकल्प है कि हर युवा में उदात्त प्रश्न और उनके उत्तर खोजने के इस नैसर्गिक स्वभाव को प्रेरित कर अथाह युवा शक्ति को भारतीय अनुसंधान पद्धति के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए सक्रिय किया जाए।

सक्रिय, सकारात्मक, समर्पित प्रतिभावान युवा राष्ट्र जीवन के हर क्षेत्र में गति प्रदान कर सकते हैं।

इसलिए, ऐसे तेजस्वी और ओजस्वी युवाओं के सक्रिय योगदान से नीति, संरचना और कार्य संस्कृति का निर्माण करना देश के विकास के लिए अति आवश्यक है। भारतीय युवाओं की इसी नैसर्गिक ओज को राष्ट्रोत्थान में सक्रिय करने हेतु ही भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा विजन फॉर विकसित भारत : विविभा अ. भा. शोधार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व तैयारी के रूप में प्रांत स्तर पर शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

शोधपत्र के मुख्य विषय एवं उप विषय :
इनमें से किसी एक विषय पर शोधपत्र लिखा जा सकता है -

1. ज्ञान-विज्ञान एवं तंत्रज्ञान
1.1 आधुनिक तंत्रज्ञान में प्राचीन ज्ञान संपदा
1.2 पारंपरिक चिकित्सा के नवीन अनुप्रयोग
1.3 डिजिटल परिवर्तन और भारतीय ज्ञान संरक्षण
1.4 भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण और खगोलीय विरासत
1.5 भारतीय अभियांत्रिकी तथा संरचना का विकास

2. समृद्ध भारत के लिए पर्यावरण संरक्षण
2.1 वेदों में पर्यावरण : भारत @ 2047
2.2 जलवायु परिवर्तन
2.3 भूजल एवं नदियों का संरक्षण
2.4 पर्यावरण कानून और स्थिरता की चुनौतियां
2.5 पर्यावरण संरक्षण और सुस्थिर विकास लक्ष्य

3. महिला-सशक्तिकरण की दृष्टि
3.1 शिव और शक्ति : द्वंद नहीं पूरक
3.2 विश्वगुरु भारत में महिलाओं की भूमिका
3.3 भारतीय माँ : बहुआयामी शक्ति पुंज
3.4 मातृशक्ति नेतृत्व और विकसित भारत
3.5 पश्चिमी नारीवाद एवं भारतीय स्त्रीत्व : तुलनात्मक अध्ययन

4. इतिहास की सही दृष्टि और भारत का दीप्तिमान् भविष्य
4.1 1947–1952 तक भारत में शासन तथा प्रशासन व्यवस्था
4.2 1835 से पूर्व की भारतीय शिक्षा व्यवस्था
4.3 ईसा पूर्व कालखंड में पंचांग
4.4 18वीं शताब्दी में भारतीय एकात्मता निर्माण में भक्ति पंथ का योगदान
4.5 1942–1947 के मध्य भारतीय स्वाधीनता संघर्ष का इतिहास

5. कला, साहित्य एवं संस्कृति
5.1 भारत की आधार शिला : भारतीय संस्कृति
5.2 साहित्य और मानव जीवन का उत्थान
5.3 भारतीय कलाओं का दर्शन और विश्वव्यापी प्रभाव
5.4 भारतीय संस्कृति की आत्मा : वसुधैव कुटुम्बकम्
5.5 उपनिषद् : भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की खोज

6. वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन
6.1 एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य
6.2 डिजिटल युग में नवाचार और उद्यमिता
6.3 सुस्थिर विकास और भारतीय समाज की भूमिका
6.4 भारतीय ज्ञान संपदा में व्यापार रणनीति
6.5 नेतृत्व की भारतीय संकल्पना

7. राष्ट्रीय सुरक्षा
7.1 भू-राजनीतिक संघर्षों में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आधारभूत संरचना की साइबर सुरक्षा
7.2 सूचनाओं का संघर्ष : सोशल मीडिया का प्रभाव इस पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विमर्श निर्माण की भूमिका
7.3 रक्षा क्षेत्र में स्वावलंबन के लिए आत्मनिर्भर भारत की भूमिका
7.4 अंतरिक्ष कमान, निर्देशित ऊर्जा हथियार, ड्रोन और भविष्य का युद्ध तंत्रज्ञान
7.5 पर्यावरण और प्राकृतिक सम्पत्तियों का क्षरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका दीर्घकालिक प्रभाव

8. भारतीय ज्ञान परंपरा
8.1 भारत में गणित शास्त्र की विरासत
8.2 प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारतीय अर्थव्यवस्था, उद्योग एवं व्यापार
8.3 गर्भस्थ शिशु पर भारतीय संगीत का प्रभाव
8.4 भारत का पाण्डूलिपि ज्ञान और आधुनिक विज्ञान पर उसका प्रभाव
8.5 स्मार्ट सिटी और शहर प्रबंधन में भारतीय स्थापत्य शास्त्र की भूमिका

9. ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार
9.1 ग्रामीण विकास : चुनौतियाँ एवं समाधान
9.2 ग्रामीण भारत में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण
9.3 ग्रामीण विकास में तकनीकी शिक्षा की भूमिका
9.4 कृषि आधारित उद्योग एवं व्यापार
9.5 विकसित भारत के निर्माण में गौ आधारित और जैविक कृषि की भूमिका

10. विधि एवं न्याय
10.1 समान नागरिक संहिता संवैधानिक आकांक्षा एवं लैंगिक न्याय
10.2 अपराधिक न्याय का विऔपनिवेशीकरण : भारतीय अपराधिक न्याय शास्त्र का जन्म
10.3 कानून, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर आतंकवाद
10.4 नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा
10.5 अल्पसंख्यक की व्याख्या, अल्पसंख्यकवाद तथा संविधान

11. भारतीय शिक्षा : भूत, वर्तमान और भविष्य
11.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और विकसित भारत @ 2047
11.2 शिक्षा की भारतीय संकल्पना
11.3 भारतीय शिक्षा : विश्वकल्याण की दृष्टि
11.4 भारतीय शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 : तुलनात्मक अध्ययन
11.5 मूल्याधारित शिक्षा